आम सभा टिफिन बैठक में माननीय लोक सभा अध्यक्ष का सम्बोधन

जय श्री राम !

- राजीविका की क्लस्टर लेवल फैडरेशन आम सभा और इस टिफिन बैठक में अलग-अलग क्षेत्रों, गांवों से आई नारी शक्ति का अभिनंदन करता हूँ, उनका हार्दिक स्वागत करता हूँ !
- समय के साथ 'स्वयं सहायता समूह' 'राष्ट्र सहायता समूहों' में बदल गए हैं।
- जिस भी सेक्टर में महिलाओं का प्रतिनिधित्व बढ़ा है, उस क्षेत्र में, उस कार्य में सफलता अपने आप तय हो जाती है। स्वच्छ भारत अभियान की सफलता इसका बेहतरीन उदाहरण है, जिसको महिलाओं ने नेतृत्व दिया है।
- मैं आज यह विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि राजीविका के माध्यम से महिलाओं का आत्मविश्वास बढ़ा है और वे आत्मनिर्भर बन रही हैं।
- राजनीति से लेकर अन्य तमाम क्षेत्रों में देश की महिलाओं का अहम योगदान रहा है। औरतों ने हमेशा ही ना सिर्फ पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर, बल्कि आगे बढ़कर हर फील्ड में खुद को साबित किया है। देश की आजादी का आंदोलन हो, देश को विकास के पथ पर आगे बढ़ाना हो; या आज नए भारत की कहानी को साकार करना हो; महिलाओं ने हमेशा ही अपनी सार्थक भूमिका से एक इतिहास रचा है।
- आज हम यहाँ सरोजिनी नायडू जी के नाम से संचालित इस संस्थान में उपस्थित हैं। सरोजिनी नायडू, एक ऐसी महिला थीं, जिन्होंने न केवल राजनीति में बल्किदेश के आजाद होने में अहम भूमिका निभाई थी। स्वतंत्रता सेनानी और क्रांतिकारी कवयित्री सरोजिनी नायडू की जयंती कल 13 फरवरी को पूरे देश ने मनाई है।
- वे पढ़ने-लिखने में बेहद होशियार थीं। बहुत कम उम्र में ही उन्हें लेखन में गहरी रुचि हो गई थी। सरोजिनी नायडू जीजब12 साल की थीं, तब उन्होंने फ़ारसी में एक नाटक लिख दिया था। इसके बाद वे आगे की पढ़ाई करने के लिए वह विदेश चली गई थीं।
- वे, जब भारत लौटी थीं, तो भारत में प्लेग की बीमारी फैली हुई थी। इस दौरान, उन्होंने बीमार लोगों की सेवा की। उन्होंने आजादी के आंदोलन के समय कई सत्याग्रहों, कई आंदोलनों में भागीदारी की थी। वे हमारे देश में पहली बार किसी प्रदेश में राज्यपाल बनने वाली पहली महिला बनी। उनका पूरा जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायक है।

- आज यहाँ आयोजित किए गए इस टिफिन बैठक कार्यक्रम में आप सभी महिलाएं में आपस में चर्चा कर सकेंगी। आप अपनी आवश्यकताओं के अनुरूप भविष्य की योजनाएं बना सकेंगी।

- राजीविका के माध्यम से समूह को एक निर्धारित ब्याज दर पर आवश्यकता होने पर ऋण दिया जाता है। आप इसके विभिन्न कार्यक्रमों से अपने आप को आर्थिक-सामाजिक रूप से आगे बढ़ा सकेंगी। अपने आप को सशक्त कर सकेंगी।

- समाज मे समानता लाने के लिए समूह में समान आर्थिक स्तर की महिलाओं का होना आवश्यक है। उस समूह की अध्यक्ष भी अल्प आय वर्ग की महिला होने से आपसी संवाद सार्थक रहेगा। इससे महिला खुलकर अपनी समस्या रख सकेगी। तभी सही मायने में इस योजना का लाभ गरीब महिलाओं को मिलेगा।

- राजीविका की महिलाएं ही सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं का प्रचार-प्रसार करने के साथ ही धरातल पर जाकर विकास के कार्यो को देखेंगी। इसके लिए उन्हें पैसा भी मिलेगा। इससे सभी महिलाओं को काम मिलेगा। समूह की महिलाओं की आय बढ़ाने के लिए हाट बाजार आरम्भ किए जाएंगे। इससे महिलाएं के उत्पादों की बिक्री के लिए प्लेटफार्म मिलेगा।

- राजीविका ने महिलाओं को स्वावलंबी बनाया है। इससे महिलाएं अपना घर चलाने में सक्षम हुई है। यह राजीविका की सफलता का उदाहरण हैं।

- मुझे खुशी है कि महिलाएं आर्थिक रूप से सक्षम होकर परिवार की मदद करती है। यह एक सुखद परिवर्तन है।राजीविका ने जो विश्वास एवं गुणवत्ता कायम की है, उसे भविष्य में भी बनाए रखा जाना चाहिए। प्रत्येक सदस्य की एक लाख रूपए सालाना की आय प्राप्त करने का लक्ष्य आपसी सहयोग से प्राप्त किया जाएगा।

- राजीविका ने आप जैसी कई महिलाओं का जीवन बदल दिया है। अब पैसों के लिए उन्हें किसी के आगे हाथ नहीं फैलाने पड़ते। उन्होंने बताया कि आत्मनिर्भर बनने के साथ-साथ वे सामाजिक और मानसिक रूप से भी सशक्त हुई हैं।

- पहले ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं घरों में चूल्हा -चौका संभालने तक ही सीमित रहती थी। बाहर जाने में उन्हें झिझक होती थी। लेकिन अब ग्रामीण क्षेत्र की महिलाएं भी घर से बाहर निकलकर समाज के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रही हैं। इसका प्रमुख कारण है राजीविका मिशन द्वारा शुरू की गई इस प्रकार की महत्वपूर्ण पहल, जिससे महिलाओं का आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

- इसके अंतर्गत महिलाओं को समूह में काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है तथा महिलाओं को बैंक द्वारा लोन दिला कर स्टार्टअप करने में मदद की जाती है। क्योंकि किसी भी चीज को शुरू करने के लिए सबसे अहम होता है पैसा, जो कि सरकार की तरफ से अब महिलाओं को बिल्कुल निम्न दरों पर बैंक द्वारा लोन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस कारण महिलाएं अपने आपको सशक्त बना रही हैं और समाज में नाम कमा रही हैं।

- **'वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट'** के माध्यम से राजीविका समूह हर जिले के लोकल उत्पादों को बड़े बाज़ारों तक पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। मैं इस बेहतरीन कार्य के लिए आप सभी को बधाई देता हूँ।

- मेरा मानना है कि महिलाओं का आर्थिक सशक्तीकरण उन्हें समाज में भी उतना ही सशक्त करता है।

- केंद्र सरकार द्वारा सम्पूर्ण देश में 2 करोड़ लखपति दीदी का लक्ष्य निर्धारित कर राजस्थान प्रदेश को 11.27 लाख लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य आवंटित किया गया है। वर्तमान में राजीविका द्वारा संचालित विभिन्न आजीविका गतिविधियों जैसे कृषि एवं गैर कृषि, पशुपालन एवं दुग्ध व्यवसाय आदि के माध्यम से 2.80 लाख महिलाओं को लखपति दीदी की श्रेणी में लाया जा चुका है।

- राजीविका की महिला स्वयं सहायता समूहों के सदस्यों के द्वारा बनाए जा रहे उत्पादों को पूरे प्रदेश में एक अलग पहचान मिल रही है।

- मुझे यह जानकर खुशी है कि ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत महिला स्वयं सहायता समूह के सदस्यों के लिए विभिन्न मापदंडों पर कार्य योजना तैयार करके उनके सामाजिक, आर्थिक एवं वित्तीय उत्थान को सुनिश्चित किया जाता है।

- ग्रामीण महिला सदस्य, जिन्हें पशु धन, कृषि एवं नॉन फार्म के अंतर्गत भिन्न भिन्न गतिविधियों यथा खाद्य प्रसंस्करण, हैंडलूम, हेंडीक्राफ्ट, क्षेत्रगत आदानो के निर्माण के माध्यम से आजीविका संवर्धन कर उनके जीवन स्तर को बेहतर बनाने के प्रयास किए जाते हैं।

- भारत की अर्थव्यवस्था तेज गति के साथ आगे बढ़ रही है और ये दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गई है। ऐसा कहा जा रहा है कि अगले तीन-चार सालों में देश की अर्थव्यवस्था वैश्विक रुप से

तीसरे स्थान पर आ जाएगी और 2047 तक विकसित राष्ट्र का सपना साकार हो जाएगा। हालांकि, इसको लेकर हर क्षेत्र को अपनी अहम भूमिका निभानी होगीऔर इस क्षेत्र में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण है।

- देश के 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने के सपने को साकार करने के लिए सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और आध्यात्मिक क्षेत्रों में महिलाओं का सशक्तीकरण आवश्यक है।
- देश की महिलाएं अपनी पहचान बना रही हैं और प्रत्येक क्षेत्र में अन्य महिलाओं के लिए मार्ग प्रशस्त कर रही हैं, चाहे वह क्षेत्र रक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, खेल, शिक्षा, उद्यमिता, कृषि या कोई भी अन्य क्षेत्र हो। महिलाओं को केवल कुछ प्रेरक शब्दों, प्रोत्साहन और अच्छे कार्यों पर सराहना की आवश्यकता होती है।
- मैं आज इस अवसर पर आप सभी स्वयं-सहायता समूहों के सदस्यों से कहना चाहूंगा कि आप विकास के मार्ग पर आगे बढ़ते रहें और अन्य महिलाओं को भी आगे बढ़ाएं।
- ये अकेले आपकी यात्रा नहीं है, बल्कि हमारे देश में बड़ी संख्या में महिलाओं की यात्रा है, जिन्हें अभी भी अपने घरों की चारदीवारी से परे अवसरों का पता लगना बाकी है।
- आपको अपने क्षेत्र और देश की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बनना चाहिए।
- मुझे खुशी है कि आज, प्रत्येक ग्रामीण परिवार की लगभग एक महिला किसी न किसी स्वयं सहायता समूह का हिस्सा है। और यह लक्ष्य यूंही दिन-प्रतिदिन बढ़ता रहे।
- मैं आज इस अवसर पर आप सभी राजीविका की क्लस्टर लेवल फैडरेशन से जुड़ी स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को अपनी शुभकामनाएं देता हूँ। भारत माता की जय !!